उत्तर प्रदेश
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

# ई-सन्देश

30 जून 2021, वर्ष 4, अंक 145

## सात दिन – सात पृष्ठ

**लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को स्मृति चिन्ह भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ**

- कारागारों में बंदियों के व्यवहार में व्यापक सुधार के प्रयास किए जाने चाहिए
- प्रदेश सरकार द्वारा कोविड नियंत्रण के सम्बन्ध में अपनायी जा रही रणनीति अत्यन्त कारगर सिद्ध हो रही
- डॉ मुखर्जी देश की एकता और अखण्डता के परम हिमायती थे
- समाज एवं राष्ट्र का निर्माण करने में ही हमारी वास्तविक सफलता
- कैबिनेट के महत्वपूर्ण निर्णय
- चित्र प्रदर्शनी

**नए भारत का नया उत्तर प्रदेश**

कोरोना हारेगा भारत जीतेगा

# कारागारों में बंदियों के व्यवहार में व्यापक सुधार के प्रयास किए जाने चाहिए : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी आवास पर जेल मैनुअल के संशोधित ड्राफ्ट के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कारागारों में बंदियों के व्यवहार में व्यापक सुधार के प्रयास किए जाने चाहिए। बंदियों को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ते हुए उनके लिए कौशल विकास के कार्यक्रम संचालित किए जाएं ताकि जेल से छूटने के बाद वे सही सोच के साथ सामान्य जीवन जी सकें। उन्होंने जेल में निरुद्ध महिला बंदियों के बच्चों की बेहतर व्यवस्था एवं शिक्षा के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शातिर अपराधियों के साथ कोई रियायत न बरती जाए। जेलों में बंद घोर अपराधियों की श्रेणी तय करते हुए इनके साथ कठोरता से पेश आया जाए। यह अपराधी आतंकवादी, माफिया और महिलाओं के विरुद्ध अपराध करने वाले व्यक्ति हो सकते हैं। उन्होंने जेल के अंदर बंदियों की सुरक्षा तथा प्रभावी जेल प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने जेल के अंदर बंदियों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से करने के निर्देश भी दिए।

प्रस्तुतीकरण के दौरान मुख्यमंत्री को जेल मैनुअल के संशोधित ड्राफ्ट के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने जेल मैनुअल में संशोधन की आवश्यकता/औचित्य, संशोधनों के मुख्य आधार तथा प्रस्तावित संशोधनों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अवगत कराया कि इस ड्राफ्ट जेल मैनुअल में भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी माडल प्रिजन मैनुअल के प्रावधानों का भी समावेश किया गया है। इस प्रस्तावित जेल मैनुअल में कारागारों की सुरक्षा व्यवस्था एवं उपद्रव नियंत्रण हेतु शस्त्र नीति के समावेश के विषय में भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। अप्रासंगिक हो जाने के कारण समाप्त किए जाने वाले विषयों के सम्बन्ध में भी उन्हें जानकारी दी गई।

बैठक में प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद एवं डीजी जेल प्रशासन एवं सुधार आनन्द कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

CM Office, GoUP
@CMOfficeUP

#UPCM श्री @myogiadityanath जी ने आज अपने सरकारी आवास में जेल मैनुअल के संशोधित ड्राफ्ट के प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया।

बैठक में मुख्यमंत्री जी ने कारागारों में बंदियों के व्यवहार में व्यापक सुधार हेतु प्रयास करने के निर्देश दिए हैं।

# प्रदेश सरकार द्वारा कोविड नियंत्रण के सम्बन्ध में अपनायी जा रही रणनीति अत्यन्त कारगर सिद्ध हो रही : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कोविड नियंत्रण के सम्बन्ध में अपनायी जा रही रणनीति अत्यन्त कारगर सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रदेशों में कोरोना वायरस के नये वैरिएंट के प्रकाश में आने के दृष्टिगत राज्य में निरन्तर सावधानी बरती जाए। संक्रमण से बचाव के लिए लोगों को लगातार जागरूक किया जाए।

मुख्यमंत्री लोक भवन में आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश में कोविड–19 की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि विगत 24 घण्टों में प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 174 नए मामले प्रकाश में आए हैं। इसी अवधि में 254 संक्रमित व्यक्तियों का सफल उपचार करके डिस्चार्ज किया गया। वर्तमान में संक्रमण के एक्टिव मामलों की संख्या 2,946 है।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि पिछले 24 घण्टों में कुल 2,37,783 कोरोना टेस्ट किये गये हैं। राज्य में अब तक 5 करोड़ 75 लाख 86 हजार 240 कोविड टेस्ट किए गए हैं। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना संक्रमण की रिकवरी दर 98.5 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण के सम्बन्ध में विशेषज्ञों के भविष्य के आकलनों के दृष्टिगत चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ किये जाने का कार्य तेजी से किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में पीकू व नीकू बेड तीव्र गति से स्थापित किये जाएं।

मुख्यमंत्री ने मेडिकल कालेजों एवं अस्पतालों में मानव संसाधन की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करते हुए रिक्तियों को यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि मेडिकल कालेजों एवं अस्पतालों में विभिन्न रिक्तियों को भरने के लिए निरन्तर कार्यवाही की जा रही है। इसके अलावा पीडियाट्रिक केयर के सम्बन्ध में चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ के प्रशिक्षण की कार्यवाही प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना वायरस की लड़ाई में कोविड प्रोटोकाल का अक्षरशः पालन करना होगा, क्योंकि थोड़ी सी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है। मास्क के अनिवार्य उपयोग, दो गज की दूरी, स्वच्छता और सैनिटाइजेशन जैसे कोविड बचाव सम्बन्धी व्यवहार को पूरी तरह अपनाना होगा। कहीं भी भीड़ एकत्र न होने पाए इसके लिए पुलिस द्वारा प्रभावी पेट्रोलिंग की जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि सीरो सर्वे के प्रारम्भिक परिणाम अच्छे संकेत देने वाले हैं। सर्वेक्षण में 60 से 70 फीसदी लोगों में हाई लेवल एण्टीबाडी की पुष्टी हुई है। कोरोना वायरस के परीक्षण के लिए प्रदेश में जीनोम सिक्वेंसिंग की सुविधा बढ़ाई जा रही है। आईजीआईबी, नई दिल्ली में कराए गये साढ़े पांच सौ सैम्पल परीक्षण में किसी में भी कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वैरिएण्ट की पुष्टि नहीं हुई है। 80 प्रतिशत सैम्पल कोविड की दूसरी लहर के डेल्टा वैरिएण्ट के ही पाए गये हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य में निर्माणाधीन आक्सीजन संयंत्रों की प्रगति के सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त की। उन्हें अवगत कराया गया कि आक्सीजन संयंत्रों की स्थापना की कार्यवाही तेजी से चल रही है। इन कार्यों की विभिन्न स्तर पर नियमित समीक्षा की जा रही है। जनपद हापुड़, सिद्धार्थनगर तथा कुशीनगर के आक्सीजन प्लाण्ट संचालित हो जाने के बाद अब राज्य में 121 आक्सीजन संयंत्र क्रियाशील हो गये हैं। राज्य में आक्सीजन की पर्याप्त बैकअप के साथ उपलब्धता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता, सैनिटाइजेशन तथा फागिंग की कार्यवाही प्रभावी ढंग से जारी रखी जाए। जल–जमाव को रोकने के लिए नाले व नालियों की सफाई करा ली जाए।

# डॉ मुखर्जी देश की एकता और अखण्डता के परम हिमायती थे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर आज यहां डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय के परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा के सम्मुख चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान देश भक्त, स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रख्यात शिक्षाविद थे। स्वतंत्र भारत में केन्द्रीय उद्योग मंत्री के रूप में उन्होंने अपनी उल्लेखनीय सेवाएं देते हुए देश को एक विजन दिया था। डॉ मुखर्जी देश की एकता और अखण्डता के परम हिमायती थे। संविधान में धारा–370 जोड़े जाने पर उनके विचार तत्कालीन केन्द्र सरकार से भिन्न थे।

उन्होंने सरकार से अलग हटकर स्वयं को भारत माता की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार करते हुए 5 अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर में धारा–370 को समाप्त कर दिया। जम्मू कश्मीर में विकास की एक नई रूपरेखा तैयार हुई, जिसके परिणाम स्वरूप जम्मू कश्मीर को देश की मुख्य धारा से जोड़ने एवं आतंकवाद के समूल नाश के संकल्प को आगे बढ़ाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर आज नये ओज और तेज के साथ विकास की मुख्य धारा से जुड़कर लोकतंत्र को एक नई ऊँचाई प्रदान कर रहा है। वर्तमान में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार करते हुए जम्मू कश्मीर के प्रत्येक नागरिक को संविधान के प्राविधानों के अन्तर्गत सभी संविधान प्रदत्त अधिकार प्रदान किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि भारत की एकता एवं अखण्डता का जो पाठ उन्होंने पढ़ाया था, आज वह संकल्प चरितार्थ होते हुए दिखायी दे रहे हैं। 'एक भारत और श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना आज साकार हो रही है। इस अवसर पर जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री डा महेन्द्र सिंह, विधि एवं न्याय मंत्री बृजेश पाठक, विधान परिषद सदस्य स्वतंत्रदेव सिंह, लखनऊ की महापौर संयुक्ता भाटिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

CM Office, GoUP
@CMOfficeUP

#UPCM श्री @myogiadityanath जी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष, प्रखर शिक्षाविद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के 68वें बलिदान दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की एकता व अखंडता का जो पाठ उन्होंने पढ़ाया वह आज चरितार्थ होते दिख रहा है।

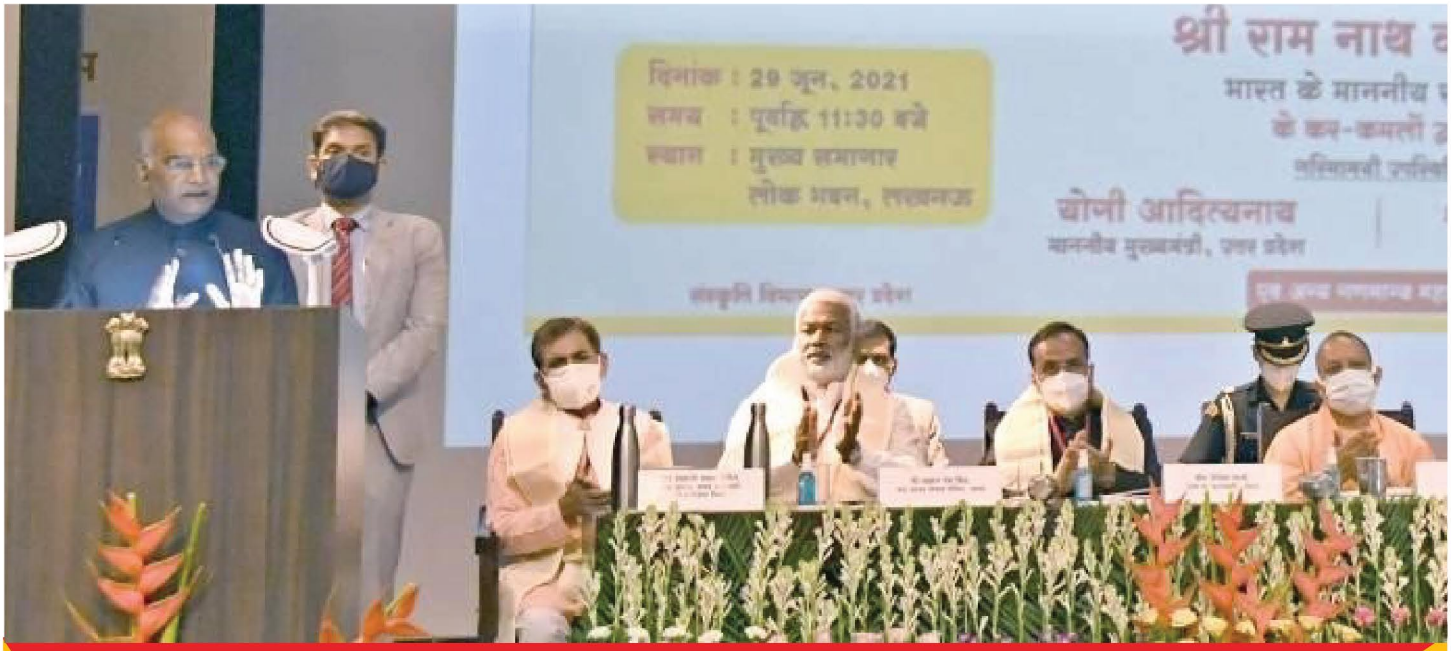


# समाज एवं राष्ट्र का निर्माण करने में ही हमारी वास्तविक सफलता : राष्ट्रपति

भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर के जीवन मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप समाज एवं राष्ट्र का निर्माण करने में ही हमारी वास्तविक सफलता है। इस दिशा में हमने प्रगति की है, किन्तु हमें अभी और आगे जाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि बाबा साहब के आदर्शों पर आगे चलते हुए हम समता, समरसता सामाजिक न्याय पर आधारित सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण में सफल होंगे।

राष्ट्रपति लोक भवन सभागार में आयोजित एक समारोह में भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र, लखनऊ के शिलान्यास के उपरान्त अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के स्मारक के रूप में सांस्कृतिक केन्द्र का निर्माण करने की उत्तर प्रदेश सरकार की पहल सराहनीय है। उन्होंने आकांक्षा व्यक्त की कि प्रस्तावित शोध केन्द्र बाबा साहब की गरिमा के अनुरूप उच्च स्तरीय शोध कार्य करे और शोध जगत में अपनी विशेष पहचान बनाए। उन्होंने भरोसा जताया कि यह सांस्कृतिक केन्द्र सभी देशवासियों, विशेष कर युवा पीढ़ी को बाबा साहब के आदर्शों एवं उद्देश्यों से परिचित कराने में अपनी प्रभावी भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में राष्ट्रपति ने भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी डॉ आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने भारत की प्रथम महिला सविता कोविन्द को शॉल भेंटकर तथा मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया। इस अवसर पर भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र पर आधारित एक फिल्म भी प्रदर्शित की गयी। कार्यक्रम के प्रारम्भ में स्वस्ति वाचन के साथ शंख वादन किया गया। बौद्ध भिक्षुओं द्वारा संगायन व परिपाठ किया गया।

राष्ट्रपति ने कहा कि इस अवसर पर स्वस्ति वाचन व बौद्ध भिक्षुओं के संगायन तथा परिपाठ से एक आध्यात्मिक वातावरण सृजित हो गया। बौद्ध भिक्षुओं के गायन में जिस भवतु सब्ब मंगलम शब्द का उल्लेख हुआ है, बाबा साहब इसे बार–बार दोहराते थे। भवतु सब्ब मंगलमश का अर्थ है सबकी भलाई। बाबा साहब तर्क दिया करते थे कि लोकतंत्र में सरकारों का दायित्व है कि सबकी भलाई के लिए कार्य करें। वर्तमान सरकार भवतु सब्ब मंगलम के मूलभाव को साकार कर रही है।

राष्ट्रपति ने कहा कि लखनऊ शहर से भी बाबा साहब डॉ आंबेडकर का खास सम्बन्ध रहा है, जिसके कारण लखनऊ को बाबा साहब की स्नेह भूमि भी कहा जाता है। बाबा साहब के लिए गुरु समान बोधानन्द और उन्हें दीक्षा प्रदान करने वाले भदंत प्रज्ञानन्द , दोनों का निवास लखनऊ में ही था। दिसम्बर, 2017 में अपनी लखनऊ यात्रा के दौरान उन्होंने (राष्ट्रपति जी) भदंत प्रज्ञानन्द की पुण्यस्थली पर जाकर, उनकी स्मृतियों को सादर नमन किया था। बाबा साहब की स्मृतियों से जुड़े सभी स्थल भारतवासियों के लिए विशेष महत्व रखते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार द्वारा बाबा साहब डॉ आंबेडकर से जुड़े महत्वपूर्ण स्थानों को तीर्थ स्थलों के रूप में विकसित किया गया है। महू में उनकी जन्म भूमि, नागपुर में दीक्षा भूमि, दिल्ली में महापरिनिर्वाण स्थल, मुंबई में चौत्य भूमि तथा लंदन में आंबेडकर मेमोरियल होम को तीर्थ स्थलों की श्रेणी में रखा गया है। साथ ही दिसम्बर 2017 से दिल्ली में डॉ आंबेडकर इन्टरनेशनल सेण्टर की स्थापना से देश–विदेश में बाबा साहब के विचारों के प्रचार–प्रसार का एक महत्वपूर्ण मंच राष्ट्रीय राजधानी में भी उपलब्ध है।

राष्ट्रपति ने कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के बहुआयामी व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके बहुमूल योगदान से उनकी असाधारण क्षमता व योग्यता का परिचय मिलता है। वे एक शिक्षाविद, अर्थशास्त्री, विधिवेत्ता, राजनीतिज्ञ, पत्रकार समाजशास्त्री व समाज सुधारक तो थे ही, उन्होंने संस्कृति, धर्म और अध्यात्म के क्षेत्रों में भी अपना अमूल्य योगदान दिया है।

# 25 जून, 2021 को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक के महत्वपूर्ण निर्णय

- 30 करोड़ पौधरोपण हेतु प्रदेश के समस्त शासकीय विभागों/मा0 न्यायालय परिसरों/कृषकों/संस्थाओं/व्यक्तियों/निजी एवं शासकीय शिक्षण संस्थाओं/भारत सरकार के विभाग एवं उपक्रम/स्थानीय निकायों यथा ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगर निगम, नगर पालिका परिषद, प्राधिकरण आदि/रेलवे/रक्षा/औद्योगिक इकाइयां/सहकारी समितियां एवं अन्य को वन एवं वन्य जीव विभाग की पौधशालाओं से निःशुल्क पौध (यूकेलिप्टस एवं पॉपलर को छोड़कर) उपलब्ध कराये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है।

- प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थापित 6600 राजकीय नलकूपों की जल वितरण प्रणाली के आधुनिकीकरण एवं उपकरणों के प्रतिस्थापना की परियोजना की कुल लागत 28579.83 लाख रूपये (जीएसटी सहित) के व्यय प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

- श्री चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद विधेयक 2021 को विधान मण्डल में प्रस्तुत किए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

- विन्ध्य धाम तीर्थ विकास परिषद के गठन हेतु उत्तर प्रदेश विन्ध्य धाम तीर्थ विकास परिषद विधेयक 2021 को विधान मण्डल में प्रस्तुत किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है।

- वित्त (लेखा) अनुभाग-2 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-ए-2-75/दस-77-14(4)/74 दिनांक 03.02.1977 के प्राविधानों को शिथिल करते हुए अपवादस्वरूप इस कार्यालय ज्ञाप के अधीन ऐशबाग ईदगाह के सामने मौजा भदेवा, लखनऊ की नजूल भूमि खसरा संख्या-232, 233, 234, 236 तथा 237 का अंश भाग क्षेत्रफल 5493.52 वर्गमीटर रिक्त भूमि, जिसका स्वामित्व राज्य सरकार में निहित है, को डॉ अम्बेडकर सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना हेतु संस्कृति विभाग के पक्ष में कतिपय शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन निःशुल्क आवंटित/हस्तान्तरित किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है।

- नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के विकास हेतु नागरिक उड्डयन विभाग के नाम दर्ज 1334 हेक्टेयर भूमि ज्वाइंट वेंचर कम्पनी नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट लि (एनआईएएल) को लीज पर दिए जाने हेतु स्टाम्प शुल्क एवं निबन्धन शुल्क में छूट के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

- संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में एडवांस आप्थेल्मिक सेण्टर एवं सर्विस ब्लाक के निर्माण कार्य में प्रयुक्त उच्च विशिष्टियों पर अनुमोदन प्रदान कर दिया है।

- डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के नवीन परिसर, गोमतीनगर विस्तार योजना के प्रथम चरण के निर्माण कार्यों की प्रायोजना के अन्तर्गत वाह्य विद्युत संयोजन हेतु 04 करोड़ 77 लाख 93 हजार 357 रूपये को प्रायोजना की पुनरीक्षित लागत 1 अरब 99 करोड़ 72 लाख 24 हजार रूपये में सम्मिलित करते हुए, कुल 2 अरब 4 करोड़ 50 लाख 17 हजार 357 रूपये एवं नियमानुसार वास्तविकता के आधार पर देय जीएसटी को सम्मिलित करते हुए व्यय के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

- जनपद मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे से वृन्दावन (पागल बाबा मन्दिर) तक (अन्य जिला मार्ग) 4-लेन मार्ग का निर्माण (लम्बाई 7.278 कि0मी0) एवं मार्ग निर्माण के संरेखण में आ रही यमुना नदी पर 2-लेन सेतु के निर्माण कार्य की व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमोदित लागत 25155.03 लाख रूपये व्यय के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान कर दिया है।

- जनपद सहारनपुर में एनएच-709बी (चुनहेटी) से अम्बाला रोड होते हुए दिल्ली-यमुनोत्री मार्ग (एसएच-57) के कि0मी0 171.00 (देवला) तक (लम्बाई 19.125 कि0मी0) 4-लेन बाईपास मार्ग के निर्माण की सम्पूर्ण प्रायोजना की व्यय-वित्त समिति द्वारा अनुमोदित लागत 20022.13 लाख रूपये के व्यय के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

# चित्र प्रदर्शनी

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास किया।**

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए, निदेशक शिशिर, आईएएस द्वारा प्रकाशित
प्रभारी सम्पादक : डॉ. सीमा गुप्ता